साइनर्जी एनवाइरोनिक्स लिमिटेड ने पेश की 'एनवाइरोचिप'

यह चिप इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन के हानिकारक प्रभावों से सुरक्षा करती है

कानपुर, 18 सितंबर, 2018: साइनर्जी एनवाइरोनिक्स लिमिटेड, जो कि एक रेडिएशन प्यूरिफिकेशन सॉल्यूशंस सुधारकर्ता है। यह उत्पाद विभिन्न संचार यंत्रों जैसे मोबाइल फ़ोन, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य वाई-फाई उपकरणों से निकलने वाली हानिकारक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन से सुरक्षा प्रदान करता है।

वर्ष 2007 में श्री अजय पोद्दार द्वारा स्थापित साइनर्जी एनवाइरोनिक्स लिमिटेड ऐसे समाधानों की खोज में समर्पित है। यह यंत्रों का (मोबाइल फोन, लैपटॉप, राऊटर) इत्यादि के उपयोग का विरोध नहीं करता है, बल्कि यंत्रों से निकलने वाली तरंगों को हानि-रहित बनाता है। यह यंत्रों की सिग्नल क्षमता या गुणवत्ता को कम नहीं करता है।

हमारे समाधान 12 देशों, 74 शहरों और लगभग 2000 स्थानों पर प्रयोग में लाये गये हैं, जैसे मुंबई, हैदराबाद के एयरपोर्ट, 21 पी. एस. यू. ऑइल रिफाइनरीज, बड़ी उत्पादन इकाइयाँ, अस्पताल, सामाजिक और शैक्षणिक संस्थान, होटल, रियल एस्टेट, कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कॉर्पोरेट कार्यालय और व्यक्तिगत आवास आदि प्रमुख हैं।

कई डॉक्टर, शोधकर्ता और वैज्ञानिक मानते हैं कि संचार यंत्रों (वायरलेस) के अत्यधिक प्रयोग मानव स्वास्थ्य को नुकशान पहुंचते हैं। इन रेडिएशन का घर और कार्यस्थल में चौबीसों घंटे सातों दिन हम पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू. एच. ओ.) ने वर्ष 2011 में मोबाइल रेडिएशन को कैंसर का संभावित कारक माना हैं। 'एनवाइरोचिप' इन हानिकारक रेडिएशन के प्रभाव को बदलकर लोगों के स्वास्थ्य सुधार में सुरक्षा करती है।

निदेशक प्रणव पोद्दार ने कहा, *''हम एक भारतीय कंपनी हैं और वर्ष 2007 से* इस क्षेत्र में कार्यरत हैं, और 2000 से अधिक संसंथानो में हमारे योगदान से स्वस्थ्य और कार्य क्षमता में अभूतपूर्व सुधार आया है। कानपुर हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और यहाँ हम अपनी उपस्थिति बढ़ाने के

लिए प्रतिबद्ध है। *वर्तमान में देश में हमारे लगभग* 10 लाख *ग्राहक हैं और हमने इसे, वर्ष के अंत तक इस संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है।''*

भारत और विदेश के मेडिकल और वैज्ञानिक संस्थानों ने 'एनवाइरोचिप' पर गहन परीक्षण किया है। 500 से अधिक लोगों पर किये गये परीक्षणों से पता चला कि 'एनवाइरोचिप' के इस्तेमाल के बाद उनके तनाव का स्तर (हार्ट रेट) 5 % तक कम हुआ, जो कि चिकित्सकों द्वारा महत्वपूर्ण और लाभदायक माना जाता है।

हमने इस चिप का परीक्षण मैक्स हेल्थकेयर के सहयोग से किया और परिणाम बिख्यात अमेरिकी प्रकाशन **जे. बी. आई. एस. ई.** में प्रकाशित हुआ। इसके अलावा डी**.** बी**.** टेक्नोलॉजी इंग्लॅण्ड ने सिद्ध किया कि इसके प्रयोग से सिग्नल की क्षमता और गुणवत्ता में कोई अंतर नहीं आता। सी. ई. सर्टिफाइड यूरोप में (सुरक्षा का मापदंड) और सिंगापुर ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल ने भी एनवायरो चिप को ग्रीन प्रोडक्ट के रूप में प्रमाणित किया।